The University of Burdwan
Syllabus for B.A. General
(1+1+1 Pattern)
In
Hindi
with effect from 2013-2014 onward

वर्द्धमान विश्वविद्यालय

वर्द्धमान (पश्चिम बंगाल)

त्रिवर्षीय स्नातक-उपाधि (सामान्य) के लिए निर्धारित हिंदी पाठ्यक्रम

<u>सामान्य निर्देश</u> :

1. इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत कुल चार प्रश्नपत्र होंगे। प्रथम प्रश्नपत्र भाग - एक, दूसरा और तीसरा प्रश्नपत्र भाग दो के लिए एवं चौथा प्रश्नपत्र भाग - तीन के लिए निर्धारित है।
2. प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए तीन घंटे का समय निर्धारित है।
3. प्रत्येक प्रश्नपत्र के पूर्णांक 100 होंगे।

<u>पाठ्यक्रम विभाजन</u>

प्रथम भाग - प्रथम वर्ष

1. पहला प्रश्नपत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास

द्वितीय भाग - द्वितीय वर्ष

2. दूसरा प्रश्नपत्र : मध्यकालीन और आधुनिक काव्य

3. तीसरा प्रश्नपत्र : हिंदी गद्य साहित्य

तृतीय भाग - तृतीय वर्ष

चतुर्थ प्रश्नपत्र : हिंदी भाषा और प्रयोजनमूलक हिंदी।

वर्धमान विश्वविद्यालय

ऐच्छिक हिन्दी - साधारण

प्रथम भाग - प्रथम वर्ष

पहला प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास पूर्णांक-100

अंक विभाजन:

प्रश्न		अंक	
8 लघ्वाकार प्रश्न -	8x	2	= 16
6 मध्यमाकार प्रश्न -	6 x	6	= 36
4 वृहदाकार प्रश्न -	4 x	12	= 48

खंड - क

क) साहित्येतिहास लेखन की परंपरा : सामान्य परिचय
ख) कालविभाजन एवं नामकरण
ग) आदिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ
घ) भक्तिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख काव्य धाराएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ
ङ) रीतिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख काव्य धाराएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ

खंड - ख

च) नवजागरण : सामान्य परिचय, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग
छ) छायावाद :(पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ)
ज) प्रगतिवाद, प्रयोगवाद :(पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ)
झ) नई कविता, समकालीन कविता (पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ)
ञ) निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी और आलोचना (उद्भव और विकास)

संदर्भ ग्रंथ

1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास
2) हजारी प्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास
3) हजारी प्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका
4) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - हिंदी साहित्य का अतीत (2 भाग)
5) रामकुमार वर्मा - हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
6) बच्चन सिंह - हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
7) बच्चन सिंह - आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
8) रामविलास शर्मा - लोक जागरण और हिंदी साहित्य

9) रामविलास शर्मा - भारतेंदु हरिश्चंद्र एवं हिंदी नवजागरण
10) रामविलास शर्मा - महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण
11) नामवर सिंह - आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
12) नामवर सिंह - छायावाद
13) रामस्वरूप चतुर्वेदी -- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास

वर्धमान विश्वविद्यालय

ऐच्छिक हिन्दी - साधारण

द्वितीय भाग - द्वितीय वर्ष

दूसरा प्रश्न पत्र : मध्यकालीन और आधुनिक काव्य पूर्णांक-100

अंक विभाजन:

प्रश्न		अंक		
8 लघ्वाकार प्रश्न -	8 x	2	=	16
6 व्याख्या --	6 x	6	=	36
4 वृहदाकार प्रश्न --	4 x	12	=	48
			कुल	----100

खंड - क : मध्यकालीन काव्य

क) कबीर : (कुल 10 साखियाँ और 5 पद) : पद:- संतन जात न पूछो निर्गुनिया, माया महाठगिनी हम जानी, बालम आओ हमारे गेह रे, साधो शबद साधना कीजै,मन न रंगाये, रंगाये जोगी कपड़ा

साखी:- कस्तूरी कुंडल बसै, जात न पूछो साधु की, साईं इतना दीजिये, यहु ऐसा संसार, मेरा मुझमें कुछ नहीं, संत न छाँड़ै संतई, कबीर हरि रस यौं पीया, कबीर लहरि समंद की, सत्गुरु की महिमा अनंत ,मेरे संगी दोई जना,

ख) सूर : (कुल 8 पद)अविगत गति कछु कहत न आवे, मेरो मन अनत कहा सुख पावै, मैया मोरी मैं नहिं माखन खायौ। ,खेलन में को काको गुसैयाँ। ,उधो मन माने की बात।, मधुकर काकर मीत भए, जे मथुरा काजर की कोठरी, उधौ मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं।

ग) तुलसी : रामचरित मानस उत्तर कांड - कलि वर्णन, दोहा: 96(ख) से 99(ख) तक

घ) मीराँ : (कुल पाँच पद) - असा प्रभु जाण न दीजै हे, म्हाँ गिरधर आगाँ णाच्या री, नहिं सुख भावै थारो देसलड़ो रंगरूड़ो, राणाजी थे क्याँने राखो म्हाँसू बैर, राणाजी थे जहर दियो म्हें जाणी।

ङ) बिहारी:(कुल 15 दोहे) मेरी भव बाधा हरो, तौं पर वारौं उरवसी, कहत नटत रीझत खीझत, नहिं पराग नहिं मधुर मधु, जब जब वै सुधि किजिए, तंत्री नाद कवित्त रस, या अनुरागी चित्त की, जप माला छापै तिलक, तजि तीरथ हरि राधिका, स्वारथु सुकृत न श्रम वृथा, इत आवत चलि जात उत, भूषन भारु समारिहैं, दृग उरझत टुटत कुटुम, समै समै सुंदर सबै, बतरस लालच लाल की ।

खंड - ख : आधुनिक काव्य

च) भारतेन्दु : पाँच मुकरियाँ --- सब गुरूजन को बुरो बतावै, तीन बुलाए तेरह आवै, सुंदर बानी कहि समुझावै, भीतर-भीतर सब रस चूसै, मुँह जब लागै तब नहिं छूटै।

छ) प्रसाद : (कुल 3 कविताएँ) -- आत्मकथा, हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, बीती विभावरी जाग री

ज) निराला :(कुल 3 कविताएँ) -- स्नेह निर्झर बह गया है, राजे ने अपनी रखवाली की, बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु।

झ) महादेवी : (कुल 3 कविताएँ) - जाग तुझको दूर जाना, हे चिर महान, कह दे माँ अब क्या देखूँ।

ञ) अज्ञेय: (कुल 3 कविताएँ) -- उड़ चल हारिल, पुल, नदी के द्वीप

ट) नागार्जुन: (कुल 3 कविताएँ) -- अकाल और उसके बाद, कालिदास, गुलाबी चूड़ियाँ

ठ) दिनकर : रश्मिरथी - पंचम सर्ग

संदर्भ ग्रंथ

1) कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
2) कबीर -संपादक : वासुदेव सिंह
3) त्रिवेणी - रामचंद्र शुक्ल
4) गोस्वामी तुलसीदास - रामचंद्र शुक्ल
5) तुलसी -डॉ. उदयभानु सिंह
6) सूरदास -रामचंद्र शुक्ल
7) सूर-साहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी
8) महाकवि सूरदास - नंददुलारे बाजपेयी
9) सूरदास - हरवंशलाल शर्मा (संपादक)
10) सूरदास - ब्रजेश्वर वर्मा
11) मीरा का काव्य - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
12) भक्तिकाव्य और लोकजीवन -शिवकुमार मिश्र
13) बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
14) बिहारी का नया मूल्यांकन -- बच्चन सिंह
15) आधुनिक साहित्य -नंददुलारे बाजपेयी
16) हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी - नंददुलारे बाजपेयी
17) आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह
18) नई कविता: स्वरूप और समस्या -डॉ. जगदीश गुप्त
19) प्रसाद का काव्य -डॉ. प्रेमशंकर
20) निराला की साहित्य साधना (भाग-2) - रामविलास शर्मा
21) निराला - रामविलास शर्मा
22) निराला: एक आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
23) निराला; कृति से साक्षात्कार - नंदकिशोर नवल
24) राष्ट्रकवि दिनकर -गोपाल राय (संपादक)
25) युगचारण दिनकर - सावित्री सिन्हा
26) महादेवी - इंद्रनाथ मदान (संपादक)
27) महादेवी - परमानंद श्रीवास्तव (संपादक)
28) कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह

29) अज्ञेय : आधुनिक रचना की समस्या - रामस्वरूप चतुर्वेदी
30) अज्ञेय का काव्य -चंद्रकांत बांदिवाड़ेकर
31) नागार्जुन का काव्य - अजय तिवारी
32) नागार्जुन का रचना संसार - विजय बहादुर सिंह
33) नागार्जुन - परमानंद श्रीवास्तव (संपादक)

वर्धमान विश्वविद्यालय

ऐच्छिक हिन्दी - साधारण

द्वितीय भाग -द्वितीय वर्ष

तीसरा प्रश्न पत्र : हिंदी गद्य साहित्य पूर्णांक-100

अंक विभाजन:

प्रश्न			अंक	
8 लघ्वाकार प्रश्न -	8 x	2	=	16
6 व्याख्या --	6 x	6	=	36
4 वृहदाकार प्रश्न --	4 x	12	=	48
			कुल	----100

खंड - क : नाटक और निबंध

क) नाटक - ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद

ख) निबंध -(कुल 5) 1) भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, 2) ऋण : आचार्य रामचंद्र शुक्ल 3) कुटज : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, 4) महाजनी सभ्यता : प्रेमचंद, 5) सदाचार का ताबीज : हरिशंकर परसाई।

खंड - ख : कहानी और उपन्यास

ग) उपन्यास -तमस : भीष्म साहनी

घ) कहानी -(कुल 5) 1. उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी', 2) कफन : प्रेमचंद, 3) पंचलाईट : फणीश्वरनाथ रेणु, 4) अकेली : मन्नू भंडारी, 5) तुम किसकी हो बिन्नी : मैत्रेयी पुष्पा।

संदर्भ :

1. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
2. हिंदी नाटक : बच्चन सिंह
3. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास - दशरथ ओझा
4. कहानी स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव
5. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश
6. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह
7. हिंदी प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र चौधरी
8. हिंदी निबंध के सौ वर्ष : मृत्युंजय उपाध्याय
9. हिंदी उपन्यास (भाग - 1,2) - सं. नामवर सिंह

वर्धमान विश्वविद्यालय

ऐच्छिक हिन्दी - साधारण

तृतीय भाग -तृतीय वर्ष

चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी भाषा और प्रयोजनमूलक हिन्दी पूर्णांक-100

अंक विभाजन:

प्रश्न		अंक		
8 लघ्वाकार प्रश्न -	8 x	2	=	16
6 व्याख्या --	6 x	6	=	36
4 वृहदाकार प्रश्न --	4 x	12	=	48
			कुल	----100

खंड - क : हिन्दी भाषा

i. हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति और उसका क्षेत्र।
ii. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास ।
iii. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ । पूर्वी हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी में अंतर ।
iv. हिन्दी शब्द समूह ।
v. खड़ी बोली हिन्दी का विकासात्मक परिचय।
vi. देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास, विशेषताएँ।

खंड - ख : प्रयोजनमूलक हिन्दी

i. प्रयोजनमूलक हिन्दी : अभिप्राय और उपयोगिता।
ii. हिन्दी का मानकीकरण।
iii. हिन्दी के विविध रूप : राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
iv. पत्रलेखन : कार्यालयी, व्यवसायिक
v. संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण, टिप्पण, मुहावरे और संशोधन।
vi. पारिभाषिक शब्दावली। (सौ शब्द)

TERMINOLOGY पारिभाषिक शब्दावली

1. Ad-hoc : तदर्थ
2. Academic : शैक्षणिक
3. Accordingly : तदनुसार
4. Accountant : लेखा-पाल
5. Adjournment : स्थगन
6. Agenda : कार्यसूची
7. Allowance : भत्ता
8. Appendix : परिशिष्ट
9. Assignment : समनुदेशन
10. At-par : सममूल्य पर
11. Attestation : साक्ष्यांकन
12. Audio : श्रव्य

13. Audit : लेखा-परीक्षा
14. Authentic : प्रामाणिक
15. Autonomous : स्वायत्त
16. Bail : जमानत
17. Bank Guaranty : बैंक प्रत्याभूति
18. Bearer : वाहक
19. Bill : हुंडी
20. Biological : जैविक
21. Charge : प्रभार
22. Circular : परिपत्र
23. Compensation : क्षतिपूर्ति
24. Confirmation : पुष्टि
25. Contract : संविदा
26. Debtor : देनदार
27. Depositor : जमाकर्त्ता
28. Dialectical : द्वन्द्वात्मक
29. Directorate : निदेशालय
30. Disabled : अपंग
31. Discharged : उन्मुक्त
32. Dispatch : प्रेषण
33. Dividend : लाभांश
34. Documentation : प्रलेखन
35. Enclosure : अनुलग्नक
36. Encounter : मुठभेड़
37. Engineer : अभियन्ता
38. Entitled : हकदार
39. Entrusted : न्यस्त
40. Equivalent : समतुल्य
41. Errata : शुद्धिपत्र
42. Exchange : विनिमय
43. Faculty : संकाय
44. Federal : संघीय
45. File : मिसिल
46. Fixed Deposit : सावधि निवेश
47. Garbage : कुड़ा-कचड़ा
48. Grade : श्रेणी
49. Graduation : स्नातक
50. Guaranty : प्रत्याभूति
51. Imperialism : साम्राज्यवाद
52. Infectious : संक्रामक
53. Initials : आद्यक्षर
54. Input : निविष्ट
55. Insured : बीमाकृत
56. Investment : निवेश
57. Joining Report : कार्यारंभ-प्रतिवेदन
58. Judiciary : न्यायिक
59. Jurisdiction : अधिकार-क्षेत्र
60. Juvenile : किशोर
61. Lease : पट्टा
62. Lexicographer : कोशकार
63. License : अनुज्ञप्ति
64. Lump sum : एकमुश्त
65. Manuscript : पाण्डुलिपि
66. Measurement : माप
67. Memorandum : ज्ञापन
68. Million : दस लाख
69. Negotiable : परक्राम्य
70. Nomination : नामांकन
71. Notified : अधिसूचना
72. Optional : वैकल्पिक
73. Out-post : सीमा-चौकी
74. Output : उत्पादन
75. Outstanding : बकाया
76. Owner : स्वामी
77. Panel : नामिका
78. Pawn : गिरवी
79. Payable : देय
80. Proceedings : कार्यवाही
81. Provident Fund : भविष्य निधि
82. Recommendation : संस्तुति
83. Recurring : आवर्ती
84. Renewal : नवीकरण
85. Resources : संसाधन
86. Revenue : राजस्व
87. Secularism : धर्मनिरपेक्षता
88. Security : प्रतिभूति
89. Small Savings : अल्प बचत
90. Sur-Charge : अधिभार
91. Telecommunication : दूरसंचार
92. Trade mark : मार्का

93. Transaction : लेनदेन
94. Treasury : राजकोष
95. Validity : वैधता
96. Verification : सत्यापन
97. Warranty : आश्वस्ति
98. Winding Up : समापन
99. Withdrawal : आहरण
100. Yellow Journalism : पीत परकारिता

संदर्भ ग्रंथ :-

1) भाषा और समाज - रामविलास शर्मा
2) हिंदी भाषा का उद्भव और विकास - उदयनारायण तिवारी
3) भाषा विज्ञान का संक्षिप्त इतिहास - उदयनारायण तिवारी
4) भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
5) भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा
6) हिंदी भाषा का इतिहास - भोलानाथ तिवारी
7) हिंदी भाषा की संरचना -भोलानाथ तिवारी
8) हिंदी उद्भव, विकास और रूप - हरदेव बाहरी
9) भारतीय आर्यभाषा और हिंदी - सुनीति कुमार चटर्जी
10) प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे
11) प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे
12) राजभाषा हिंदी -प्रकाशन विभाग

वर्द्धमान विश्वविद्यालय

वर्द्धमान, पश्चिम बंगाल

त्रिवर्षीय स्नातक [सामान्य एवं प्रतिष्ठा] उपाधि के लिए निर्धारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम

अंक विभाजन:

प्रश्न			अंक
4 x	2	=	08
3 x	6	=	18
2 x	12	=	24
पूर्णांक		=	50

प्रथम भाग - प्रथम वर्ष

(कला, विज्ञान तथा वाणिज्य के छात्र - छात्राओं के लिए)

सामान्य निर्देश :

1. इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत एक ही प्रश्नपत्र होगा।
2. कला, विज्ञान तथा वाणिज्य छात्र - छात्राओं के लिए एक ही पाठ्यक्रम निर्धारित है।
3. इस प्रश्नपत्र के लिए दो घंटे का समय निर्धारित है।
4. इस प्रश्नपत्र के पूर्णांक 50 अंक के होंगे।

वर्द्धमान विश्वविद्यालय

अनिवार्य हिन्दी पाठ्यक्रम पूर्णांक : 50

(कला, विज्ञान और वाणिज्य छात्र-छात्राओं के लिए)

काव्य

1) कबीर - 10 साखियाँ (सदगुरू सवाँ न कोई सगा, सतगुरू की महिमा अनंत, मूरखि संग न कीजिए, परबति परबति मैं फिरा, माला फेरत जुग गया, माला तो कर में फिरै, हम घर जाला आपना, मेरा मुझमें कुछ नहिं, कस्तूरी कुँडल बसै, चाकी चलती देखि के)
2) रहीम - 10 दोहे -(रहिमन पानी राखिए, रहिमन निज मन की बिथा, रहिमन देखि बड़ेन को लघु न, छिमा बड़न को चाहिए,तरुवर फल नहिं खात है, दीन सबन को लखत है, धरती की सी रीत है, पावस देखि रहीम मन, बड़े बड़ाई ना करें,रहिमन धागा प्रेम का।)
3) जयशंकर प्रसाद - लहर
4) माखनलाल चतुर्वेदी - फूल की चाह
5) निराला - भारती वन्दना

गद्य

1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल - मित्रता
2) स्वामी विवेकानंद - युवाओं से
3) प्रेमचंद - मुक्तिमार्ग
4) सुभद्रा कुमारी चौहान - भग्नावशेष
5) हरिशंकर परसाई - भोलाराम का जीव

अपठित --- निबन्ध लेखन, पत्र लेखन, मुहावरे